

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Rameshbhai G. Dhorajiya

Brain dead man's heart transplanted; organs to save 6 lives



Rameshbhai G. Dhorajiya, 35, who was brain dead, donated his heart and other organs to save six lives.

Tina Nica Verwee
BRAIN-DEAD people will get new lives if a brain-dead man's heart, liver, kidneys and other organs are donated to the needy, says Rameshbhai G. Dhorajiya, 35, who died in Mumbai, most recently in a road accident, after succumbing to the damage caused to his brain on September 26. He was rushed to KEM Hospital, diagnosed brain-dead, and succumbed to his death on September 26, which happened two weeks after his brain was crushed in a road accident on the Kurla-Panvel road. His wife, Padma Ravi, 35, says she is a family member of the 17-organ donor and is

waiting for them.
His heart, liver, kidneys, gallbladder, pancreas, and other organs were removed from his body at KEM Hospital, Mumbai, on September 27. The heart was transplanted to the body of Kishorraj Shinde, 46, a resident of Juhu, Mumbai. The liver was transplanted to a 38-year-old man from Surat.
His kidneys were accepted by two patients from the United Kidney Donor Centre, Ahmedabad, and will be transplanted to the bodies of organ transplant recipients in the next few days. The gallbladder was accepted by the 54-year-old man from Kolhapur, Chhatrapati



अंगदान

चक्कर आने से बेहोश हुए रमेश भाई को डॉक्टरों ने किचा या ब्रेनडेड घोषित, परिवारों ने लिया हृदय, किडनी, लीवर, आंखें दान करने का फैसला

सूरत के रमेश भाई का हृदय धड़केगा मुंबई के मोइनूदीन में

रमेश भाई का

269 किमी की दूरी 107 मिनट में तब कर मुंबई ले जाया गया हृदय, सूरत से जाय तथा 16 हृदय दान

सूरत से ऐसे मुंबई पहुंचा दिल

हृदय रोग के कि सूरत निवासी ब्रैण्डेड रमेश का हृदय मुंबई के जाने वाले मोइनूदीन को लाया गया। सूरत के निवास डॉ.सुरेश ने 269 किमी की दूरी 107 मिनट में तब करके हृदय को मुंबई के लालबा डॉ.सुरेश पहुंचाया गया। सूरत के बरखा रोड निवासी गण निवासी 53 वरिष्ठ रमेश भाई चक्कर आने से बेहोश होकर अचानक मर गए। हृदय के लिए उन्हें क्लिनिक डॉ.सुरेश ले जाया गया। मिर्ची खीन करने के बाद सुगो मर्दान डॉक्टर भीमल ठाकुर ने बताया कि उन्हें केत डेमॉन्स से मर रहे थे। वे तीन बजे 26 सितंबर को डॉक्टर भीमल ठाकुर और नर्स सिनिधिदान डॉक्टर कुलदा नाम ने रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित किया।



डॉक्टरों ने मर्ती कर से रमेश भाई को अंतिम विश्रुति दी।

रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित करने के बाद अस्पताल से डॉक्टर सुरेश तथा डॉ.इकरी लालकर भी। रमेश का हृदय बोलोचेंडूर के हस्पताल से अंधे के परिवारों को अंगदान करने के लिए तैयार किया गया। उनके कंग बोलोचें से अंगदान के लिए डॉ.सुरेश अस्पताल के डॉक्टर प्रमोद लोदी, अंगदान के किन्न और डॉ.सुरेश अस्पताल से ले जाई किया गया, लेकिन हृदय लेने वाला कोई नहीं था। इसके बाद रोले रमेश की मर्त से मुंबई के लालबा अस्पताल से अंगदान कर लिया गया।

1:30 बजे किन्न अस्पताल में रमेश का हृदय सूरत पहुंचाई मुंबई 2:05 बजे मुंबई के लिए रमेश का हृदय मुंबई एयरपोर्ट पहुंचा 3:17 बजे लालबा अस्पताल पहुंचा 3:25 बजे डॉ.सुरेश अस्पताल सूरत से जाय तथा 16 हृदय दान सूरत से अंगदान 16 हृदय दान से पहुंचे है। इसके अंगदान 224 किडनी, 83 लीवर, 6 विलीवर, 156 रोले कर भी किए गए है। इससे 620 लोगों को नय जीवन मिले है। किडनी, लीवर, अंगदान का किन्न का भी किन्न दान अंगदान के अंगदान, लीवर अंगदान के डॉ.सुरेश अस्पताल से लिए गए, ताकि अंग दान के लिए कंग को जल कर रहे हैं।

एक महीने से हृदय को अंगदान में थे मोइनूदीन

मुंबई के डॉ.सुरेश किन्न 45 वरिष्ठ मोइनूदीन रोले लालबा अस्पताल में है किन्न के परिवारों से डॉक्टरों को अंगदान मोइनूदीन का हृदय सूरत 10 से 15 मिनट की दूरी पर कर कर का अस्पताल के डॉ.सुरेश लालबा डॉक्टर अंगदान लेया गया कि 200 से ही मोइनूदीन को दिल की बीमारी थी। एक अंगदान से अंगदान अंगदान में अंगदान कराने का था। उन्हें हृदय अंगदान की अंगदान की अंगदान के हृदय से उन्हें कर लेया गया है।



दिन विशेष

रमेशभाई घोरजिया बाथरूम में पड़ने से बेसुध हुए थे

विश्व हृदय दिन पर सूरत से 16वें हृदय का दान

संवाददाता, सूरत

हृदय रोग की बीमारी के कारण करोड़ों लोगों को पीस लेती है। ऐसे में विविध देश और शहर में जागरूकता लाने का प्रयास के बीच सूरत शहर विश्व हृदय दिन प्राचीन समाज के अंगदान का हृदय मुंबई के अंधेरी में रहने वाले एक व्यक्ति को अंगदान करने के लिए 16 वें हृदय दान के दाता बने है। सूरत अमरेली जिले के लालिया नरसोत के इतिहास गांन निवासो रमेशभाई गोवर्धन घोरजिया (53) सूरत में जनशुद्धि आंदोलन, सीमागा गांन में दो पुत्रों सहित परिवार के साथ रहते थे। इस दौरान 26 को सुबह कार्यलय में चक्कर आने से मर गए थे। बेसुध हृदय में उन्हें



निजी अस्पताल में उपचार के लिए यहीं करवाया गया। यहाँ 28 को चिकित्सक ने

उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया था। अस्पताल के डॉक्टर ने डॉक्टर लालबा को सूचित करने

पर रमेश की दोग आकर रमेशभाई के परिवारवालों को अंगदान के बारे में समझाया। जिससे परिवार भी राजी होकर हृदय, किडनी, लीवर और आंखों का दान किया गया।

दान में मिले हृदय अंधेरी, मुंबई में अंग और ईन्फो चलाक के डॉ. प्रमोद करने वाले मोइनूदीन रोले (42) में अंगदान किया गया। यहाँ देर राति लीवर, किडनी अंगदान के लिए अंगदान अंगदान में लाया किया जाएगा। अंगदान के किन्न सूरत से रात 22 बजे में हृदय अंगदान और अंगदान करने का रमेशभाई बचना है। जिसमें 12 हृदय मुंबई, 1 हृदय नेमई, दो हृदय अंगदान और 1 हृदय अंगदान से मर गए है।



सूरत के रत्नकलाकार का दिल मुंबई के टैक्सी ड्राइवर में ट्रांसप्लांट



लोकतेज खंवारराता

सूरत। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर शहर के सोमाडा गाम व्रतभूमि डॉकमेंटेशन में रहनेवाले ब्रेनडेड पाटीदार युवा का हृदय मुंबई के टैक्सी चालक में ट्रांसप्लांट किया गया। कतारगाम स्थित सनराइन डायमंड में रत्नकलाकार के तौर पर

काम करनेवाले 53 वर्षीय रमेशभाई गोवरभाई धोराविया को 26 सितंबर को किडनी में लघुशंका के लिए गए थे तभी अचानक चक्कर और उल्टी आयी।

उन्हें चिकित्सा के लिए किरण अस्पताल में भर्ती किया गया। जांच के दौरान ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। न्यूरोफिजिशियन को जांच के

बाद रमेशभाई को ब्रेन डेड घोषित किया जिससे परिवार के सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी गयी। परिवार के सदस्यों की मंजूरी से डॉनेट लाइफ संस्था ने सूरत के किरण अस्पताल से 269 किलोग्राम दूर मुंबई के स्लोबल अस्पताल में 107 मिनट के दौरान हार्ट पहुंचाया। मुंबई अंधेरी के निवासी तथा टैक्सी चालक मोहनराज शिंदे उम्र 42 में हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा किडनी, लीवर, पथु एवं अंति का दान देकर 6 लोगों को नया जीवन दिया गया। डॉनेट लाइफ संस्था ब्रेन डेड लोगों के परिवारों की अनुमति से सूरत से अब तक 16 हृदयों को सफल ट्रांसप्लांट किया गया।



पाटीदार समाज के ब्रेन डेड व्यक्ति का दिल मुंबई के मरीज में प्रत्यारोपित..

वर्ल्ड हार्ट डे पर सूरत से 16वां हृदय दान

पत्रिका न्यूज़ केबर्क

patrika.com

सूरत, वर्ल्ड हार्ट डे पर शुक्रवार को सूरत से खेलाहवां हृदय दान किया गया। इसे मुम्बई के स्लोबल अस्पताल में पांच साल से हार्ट की बीमारी से पीड़ित मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत से मुम्बई की 269 किमी की पूरी दूरी में ब्रेन कॉरिडोर के जरिए सिर्फ 107 मिनट में तय की।

ज्यादा शिमाडा वॉच में युवाभूमि टाउनशिप सेक्टर-2 निवासी रमेश गोवर धोराविया (53) कतारगाम सनराइन

22 महीने में 16 हृदय दान

अब तक डॉनेट लाइफ ने 224 किडनी, 89 लीवर, 97 फेनोकोपज, 16 हृदय, 188 चषुओं के दान से 520 जनों को नया जीवन दिया है। पिछले 22 महीने में सूरत से 16 हृदय दान किए गए। इनमें चालू हृदय मुम्बई, एक चेन्नई, दो अहमदाबाद और एक इंदौर भेजे गए थे।

डायमंड किडनी में कार्य करता था। 26 सितंबर को सुबह लघुशंका के दौरान वह चक्कर आने से गिर पड़ा। उसे चक्कर के किरण अस्पताल से जाया गया। खैरी स्कैन में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि हुई। न्यूरो सर्जन डॉ. भीमिक ठाकुर और न्यूरो फिजिशियन डॉ. कुजाल नाव ने 28 सितंबर को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉनेट लाइफ प्रमुख निवेश मोडलेकाल ने रमेश के पुत्र पुर्विक, रवि, भाई हिममत,

बालू, नंदेश तथा परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी। सहमती मिलने पर आइडिटीआरसी को टीम को किडनी और लीवर का दान स्वीकारने के लिए सूरत भेजा गया। हृदय दान के लिए अहमदाबाद के विमल और स्थिति अस्पताल से सम्पर्क किया गया, लेकिन यहां कोई मरीज नहीं होने के कारण आरएलटीडीओ की डॉ. सुजाता पटवर्धन से सम्पर्क किया

दिल का सफर

बोपहर 1.30 बजे : चिकित्सकों की टीम किरण अस्पताल से हृदय दान स्वीकार कर एयरपोर्ट रवाना हुई।

बोपहर 1.50 बजे : चिकित्सकों की टीम सूरत एयरपोर्ट पहुंची।

बोपहर 2.05 बजे : सूरत एयरपोर्ट से चार्टर प्लेन में डॉक्टर हृदय लेकर मुम्बई रवाना।

बोपहर 2.58 बजे : टीम मुम्बई एयरपोर्ट पहुंची।

बोपहर 3.07 बजे : टीम मुम्बई एयरपोर्ट से स्लोबल अस्पताल रवाना।

बोपहर 3.25 बजे : चिकित्सकों की टीम ने मोहनराज शिंदे में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू किया।

गया। उन्होंने मुम्बई के स्लोबल अस्पताल में हृदय दान के लिए कहा। स्लोबल अस्पताल के डॉ. अजय शिंदे सूरत पहुंचे और हृदय दान स्वीकार किया। चषुओं का दान लोकदृष्टि चषुबैक के डॉ.

प्रमिल शिरोपा ने स्वीकार किया। हृदय का ट्रांसप्लांट मुम्बई अंधेरी निवासी मोहनराज शिंदे (42) में किया गया। वह ड्राइवर है और वर्ष 2012 से उसे हृदय की तकलीफ थी।

6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતા મહેંકાવી

સુરતના પાટીદારનું હૃદય મુંબઈના મુસ્લિમ ટેક્સી ડ્રાઈવરમાં ધબકવા માંડ્યું

હેલ્થરિપોર્ટર | સુરત

વર્લ્ડ હાર્ટ ડે ના દિવસે કતારગામના બ્રેન ડેડ પાટીદાર રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ધોરાજીયાના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરીને 6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી તેમના પરિવારે માનવતા મહેંકાવી હતી. સુરતથી 269 કિ.મી.નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને તેમના હૃદયનું ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંબેરી મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

વરાછા રોડ સીમાડાગામ વ્રજબૂમિ ટાઉનશિપ ખાતે રહેતા રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા કતારગામ ખાતે આવેલી ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. ગઈ તા. 26 સપ્ટેમ્બરના રોજ રમેશભાઈ ફેક્ટરીમાં કામ કરતી વખતે બાથરૂમમાં ગયા હતા, જ્યાં તેમને ચક્કર આવ્યા બાદ બેભાન થઈ ગયા હતા. જેથી તેમને તાત્કાલિક કતારગામ કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં તેમને બ્રેન હેમરેજનું નિદાન થયું હતું. તા. 28 સપ્ટેમ્બરે તેમને તબીબે બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા હતા. હોસ્પિટલના ડો.સ્નેહલલ ડુંગરાણીએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ

ઘટનાક્રમ

- બપોરે 1:30 કલાકે હૃદયનું દાન સ્વીકારી ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ એરપોર્ટ જવા રવાના
- બપોરે 1:50 સુરત એરપોર્ટ પહોંચ્યા
- બપોરે 2:05 સુરત એરપોર્ટથી ચાર્ટર ફ્લાઈટમાં મુંબઈ રવાના
- બપોરે 2:58 ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટ પહોંચી
- બપોરે 3:07 ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલ જવા રવાના
- બપોરે 3:25 ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં ઓપરેશન થિયેટરમાં દાખલ થયા અને અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી રમેશભાઈ બ્રેનડેડ થયાની માહિતી આપી હતી. પરિવારજનો ઓર્ગન ડોનેશન માટે તૈયાર થતાં મુંબઈની હોસ્પિટલના ડો.અમજદ શેખ અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું હતું અને ગ્રીન કોરિડોરની મદદથી સુરતથી 269 કિ.મી. નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવર મોઈનુદીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

ડોનેટ

પાટીદાર આધેડનું હૃદય કરાચું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

વિશ્વ હૃદય દિને સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન

રમેશભાઈ ધોરાજીયા
બાલક્રમમાં પડી જતાં
બેભાન થયાં હતાં

સુરત.લા.૨૯

હૃદય રોગની બીમારીઓને કારણે કરોડો ગોઠાં મોતને મટે છે. ત્યારે વિવિધ કોલો અને શહેરમાં જાગૃતિ લાવવાના પ્રયાસો તરફે સુરત શહેર વિષય હૃદય દિવસે પાટીદાર સમાજના તમામનું હૃદય મુંબઈના અંધેરી ખાતે રહેતાં એક વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને શહેરમાં ૧૬માં હૃદયદાનનું શ્રેયી મળ્યું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના હોલીયા તાલુકાના હરીપર ગામના વૃત્તની રમેશભાઈ ધોરાજીયા (૬૧, પ૩૩) સુરતમાં વ્રજભૂમિ



ટાઉનશીપ, સીમાડાવાળા એ પુત્રો સહિતના પરિવાર સાથે રહેતાં હતાં. હૃદયિયના રોગોએ સતતે બાલક્રમમાં ચક્કર આવતાં પડી ગયાં હતાં. બેભાનવસ્થામાં સારવાર માટે ખાલગી

હોસ્પિટલમાં ગઈ જવામાં હતા. જ્યાં ૨૮મીને દરજ્જ પરના તબીબે તેમણે પ્રેન્ટેડ જાહેર કર્યાં હતાં. હોસ્પિટલના તબીબે પ્રેન્ટેડ ઘાઈલને જાણ કરતાં સંસ્થાની ટીમે આવી રમેશભાઈના

પરિજનોને અંગદાન માટે સમજાવતાં પરિવારની સહમતિથી હૃદય, કિડની, સિયર અને ચલુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

દાનના મરેલુ હૃદય અંધેરી, મુંબઈમાં વસતાં અને ટેકસી ડ્રાઇવર તરીકે કામ કરતાં મોઈનુદીન શેખ(ઉ.વ.૪૨)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે મોટી રાત્રે સિયર, કિડની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ હોસ્પિટલમાં રવાના કરવામાં આવશે.

અને નોંધપત્રીય છે કે, સુરત ખાતેથી ઉલ્લાં ૨૨ મહિનામાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો આ સોળમો પ્રયાગ છે. જેમાંથી ૧૨ હૃદય મુંબઈ, ૧ હૃદય વૈશાઈ, એ હૃદય અમદાવાદ અને ૧ હૃદય ઉંદોર મોકલવામાં આવ્યું છે.



‘વર્લ્ડ હાર્ટ ડે’ નાં દિવસે

સુરતનાં આધેડના હૃદયદાનથી અંધેરીના આધેડનાં જીવનમાં અજવાળાનો ઉદય

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, શુક્રવાર | પુવાનને નવી જાંઠગી મળી હતી. તેમના અન્ય અંગદાનથી ૬ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયાનાં અંગદાનથી ૬ ને નવજીવન મળ્યું : સુરતમાંથી અત્યાર સુધીમાં ૧૬ હૃદયદાન

મૂળ અમરેલીના મોટાલીલીયા હરીપરના વૃત્તની અને હાલ વરાછા રોડ સીમાડા ગામ ખાતે વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા ગઈ તા. ૨૬ મીને કતારગામમાં હીરાના કારખાનામાં કામ કરતા હતા. ત્યારે લપુશંકર માટે બાલક્રમમાં ગયા અને ત્યાં ચક્કર અને ઉલ્ટી બાદ તે બેભાન થઈ ગયા હતા. ગઈકાલે ખાનગી હોસ્પિટલના તબીબે તેમને પ્રેન્ટેડ જાહેર કર્યાં બાદ પ્રેન્ટેડ ઘાઈલ સંસ્થા દ્વારા તેમના પરિવારે અંગદાન અંગે સમજાવતા તેઓ સંમત



થયા હતા. ત્યારબાદ અમદાવાદની હોસ્પિટલનાં તબીબો સુરત આવી કિડની, સીયર દાનનું સ્વીકાર્યું. બાદ ચલુદાન લોકલિયે બેન્કે સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે તેમનું હૃદય મુંબઈની હોસ્પિટલના તબીબે સુરત આવીને સ્વીકાર્યું હતું. સુરતની

હોસ્પિટલથી મુંબઈની હોસ્પિટલ સુધી ૨૬૯ કિ.મી. અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના અંધેરીમાં રહેતા મોઈનુદીન શેખ (ઉ.વ.૪૨) માં કરવામાં આવ્યું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી પ્રેન્ટેડ વ્યક્તિઓની પરિવારજનો સાથે સમજ આપીને પ્રેન્ટેડ ઘાઈલ દ્વારા ૨૨૪ કિ.મી., ૮૯ સીયર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય અને ૧૮૮ ચલુઓનું દાન મેળવી ૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની આપી છે.



સુરતનાં બ્રેઈનડેડ આધેડનું હૃદય અંધેરીનાં મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકશે

સુરત, તા.૨૯
વરાછા રોડનાં આધેડ
બાથરૂમમાં પડી ગયા બાદ બ્રેઈનડેડ
થયાં હતાં. તેમનાં હૃદયનું દાન
મુંબઈનાં ટેશી ડ્રાઈવર મુસ્લિમ
યુવકને કર્યાં હતો. આ સાથે ડોનેટ
લાઈફ સંસ્થાનાં માધ્યમથી
સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન પ્રાપ્ત
થયું હતું.

મુળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા
લીલીયા તાલુકાના હરીપર ગામના
અને કતારગામમાં આવેલ
સનરાઈઝ ડાયમંડ કેક્ટરીમાં રત્ન
કલાકાર તરીકે કામ કરતા
રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજિયા
(ઉ. વ. ૫૩) એ-૪, ૧૦૪,
વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપ સેક્ટર-૨,
સીમાડાગામ, વરાછા રોડ પાલે પત્ની
કેવાશબેન, પુત્ર રવિ (ઉ.વ. ૨૩,
વરાછામાં આવેલ વાઈટ ઓરેન્જ
સોફ્ટવેર કંપનીમાં મોબાઈલ
ડેવલોપર) અને પૂર્વિક (ઉ. વ. ૨૫,
અડાજધામાં આવેલ નારોલા
ઈન્ફોટેકમાં સોફ્ટવેર એન્જિનીયર)
સાથે રહેતા હતા. રમેશભાઈ બ્રેઈન
ડેડ થતા તેમના પરિવારે અંગદાન
કરી માનવતા મહેકાવી હતી.

આ અંગેની મળતી વગતો
અનુસાર ૨૬ સપ્ટેમ્બરે રમેશભાઈ
કતારગામમાં આવેલ સનરાઈઝ
ડાયમંડની કેક્ટરીમાં કામ કરી રહ્યા
હતા, ત્યારે સવારે ૧૧:૦૦ કલાકે



બાથરૂમ ગયા બાદ ચકકર અને ઉછી
થતા બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમને
તાત્કાલિક કિરણ હોસ્પિટલમાં લઈ
જવાતા નિદાન માટે સિટી સ્કેન
કરાતા બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન
થયું હતું. ૨૮મીએ તેમને બ્રેઈન ડેડ
ઝાહર કરાયા હતા.

રમેશભાઈની કિડની અને
લિવરનું દાન સ્વીકારી અમદાવાદની
લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ એન્ડ કોલ્ડ
કોર્ડિએશન ટ્રસ્ટના
ડો. વિકાસ પટેલ અને તેમની ટીમે
હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરી મુંબઈના
રહેવાસી મોઈનુદીન શેખ (ઉ.વ.
૪૨માં સીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડો.
હમદુલે અને તેમની ટીમ દ્વારા
કરવામાં આવ્યું છે. ટેશી ડ્રાઈવર તરીકે
કામ કરતા મોઈનુદીન શેખ
૨૦૧૨થી હૃદયની તકલીફથી પીડાતા

હતા. તેમને શાસ લેવામાં ખુબ
તકલીફ પડતી હતી તથા તેમને
ચાલવામાં પણ તકલીફ પડતી હતી.
તેના હૃદયની કાર્યક્ષમતા ૧૦% થી
૧૫% જેટલી હતી. છેલ્લા એક
મહિનાથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં
તેમનું કોલોનિય ચાલી રહ્યું હતું.
છેલ્લા બે દિવસથી તેઓ
હોસ્પિટલમાં ઠાપલ હતા.

સુરત અને ઇન્ડિયા ગુજરાતમાંથી
અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના
પરિવારજનો સાથે સમજાશ કેળવી
નીલેશ માંડલેવાલા અને ડોનેટ
લાઈફ દ્વારા ૨૨૪ કિડની, ૮૯
લીવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય
અને ૧૮૮ ચક્ષુઓનો દાન મેળવીને
૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને
નવી રોશની બક્ષવામાં સફળતા મળી
છે.

રમેશ ધોરાજિયા બાથરૂમમાં પડી ગયાં બાદ બ્રેઈનડેડ થયા
હતા : રમેશ ભાઈના કીડની, લીવર અને ચક્ષુનું પણ દાન

વિશ્વ હૃદય દિવસે કતારગામના રત્નકલાકાર આધેડનું હૃદય મુંબઈના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત: સુરત સહિત સમગ્ર વિશ્વમાં શુક્રવારે વિશ્વ હૃદય દિવસની ઉજવણી કરાઈ છે ત્યારે કતારગામના હીરાના કારખાનામાં બેભાન થયેલા રત્નકલાકારના હૃદય સહિતના અંગોનું દાન પરિવાર દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. રત્નકલાકારના અંગોના દાનના કારણે નવા છ વ્યક્તિઓના જીવનને નવજીવન મળ્યું છે. રત્નકલાકાર રમેશ ધોરાજીયાનું હૃદય સુરતથી મુંબઈનું રુદ્રલ કિ. મી.નું અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને મુંબઈના કામજીવી યુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા હીલીયા તાલુકાના મરીપરા ગામના વતની અને હાલ સીનાણ ગામ રજબુમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા ૫૩ વર્ષિય રમેશભાઈ ધોરાજીયા ધોરાજીયા હાલ કતારગામમાં આવેલી સન્સાઈડ ટાપમંડમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. તેઓ ગત મંગળવારે તેઓને ઘટકર અને ઉછીંચો થઈ હતી અને તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા.

રમેશભાઈને કતારગામની કિરલ હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે લઈ જવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં બ્રેઈનડેડ હેમરેજ થયું હોવાનું જણાયું હતું. સારવાર કરમિયાન રમેશભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

આ દરમિયાન તાબીબઓએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાને બ્રેઈનડેડ રમેશભાઈના એ પુત્રો સહિતના પરિવારજનોએ અંગદાન માટે બહાલી આપતા ડોનેટ લાઈફ દ્વારા બ્રેઈનડેડ રમેશભાઈના શરીરમાંથી હૃદય, કિડની, લિવર અને એ અંગોનું દાન લેવામાં આવ્યું હતું. રમેશ ધોરાજીયાનું હૃદય પરિવારજનો દ્વારા દાનમાં આપવામાં આવ્યું હતું. જેથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા નાટોના નેશા ક્લેબ મુંબઈની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલા ટશી ટ્રાઈવર મોહનુદિન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. રુદ્રલ કિ. મી.નું આ અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

વધુ એક હૃદયદાન: સુરતીઓ 16મું હૃદયદાન કરીને 'દિલદાર' સાબિત થયા

» સુરતના રત્નકલાકારનું હૃદય
મુંબઈના મુસ્લિમ ડ્રાઈવરને
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

નવગુજરાત સમય > સુરત

■ ઓર્ગન ડોનેશનમાં સુરતવાસીઓએ 16 જેટલા હૃદય દાનમાં આપીને 'દિલદાર' સાબિત થયા છે. સુરતથી વધુ એક બ્રેઈનડેડ દર્દીનું હૃદય દાન કરાયું હતું. તેને ગ્રીન કોરિડોર ખનાવીને 269 કિલોમીટર દૂર મુંબઈ માત્ર 109 મિનિટમાં પહોંચાડીને ટેક્સી ડ્રાઈવરને સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

ગત મંગળવારે કતારગામમાં 53 વર્ષના રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ધોરાજીયાને બ્રેઈન

ડ્રોઈક આવ્યો હતો. સારવાર બાદ છેવટે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં હતાં. ડોનેટ લાઈફની ટીમે તેમના પરિવારજનોને અંગોનું દાન કરવા સમજાવ્યા હતાં, પરિવાર સંમત થતાં રમેશભાઈની હૃદય, કિડની, આંખો અને લિવરનું દાન આપીને છ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું હતું. રમેશભાઈના દાન કરાયેલા હૃદયને ગ્રીન કોરિડોર બનાવીને મુંબઈ મોકલાયું હતું. ત્યાં ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરીના રહેવાસી 42 વર્ષના મોહનુદિન શેખમાં કરાયું હતું. ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાનું કહેવું હતું કે, સુરતમાંથી આ 16મું હૃદય દાન થયું છે. આ રીતે અંગદાન કરીને સુરતવાસીઓ સાચા અર્થમાં દિલદાર સાબિત થયાં છે.

સીમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરની જિંદગીની ગાડી દોડાવશે

વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે સુરતના વધુ એક પરિવારની દરિયાદિલી...

- » અમરેલીના વતની બેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટ, કિડની, લિવર અને ચક્ષુદાનથી છ જણાને નવજીવન મળ્યું
- » સુરતમાંથી ૧૬મા હાર્ટનું દાન, ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૬૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત, તા. ૨૯

વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે અમરેલીના બેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટના દાન સાથે સુરતની દરિયાદિલી જોવા મળી હતી. ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૬૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરમાં સીમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવા સાથે સુરતમાંથી આ ૧૬મા હાર્ટનું દાન કરાયું હતું. બેઈનડેડ રત્નકલાકારના પરિવારે દાખલેલી જાગૃતિને પગલે હાર્ટની સાથે

કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરાતા છ જણાને નવજીવન મળ્યું છે.

અમરેલી, મોટા લીલિયાના હરીપરગામના વતની રમેશભાઈ ગોખરભાઈ પોરાણ્યા (ઉ. વ. ૫૩) પરિવાર સાથે સીમગ્રામમાં આવેલી વ્રજભુમિ ટાઈનશિપમાં રહેતા હતા. કનારગામમાં આવેલી ડાયમંડ ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા રમેશભાઈને ગત તા. ૨૬મીએ ફેક્ટરીમાં ચક્કર આવવા સાથે ઊલટીએ થઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને તાત્કાલિક સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડવા હતા. તબીબી સારવાર દરમિયાન તેમને બેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ ગઈકાલે તબીબી ટીમે તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. આ ખાબતે હોસ્પિટલમાંથી ડોનેટ હાર્ટિંગના સભ્યોને જાણ કરાઈ હતી. ત્યારબાદ પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલા સહિતના સભ્યોએ બેઈનડેડ રમેશભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવાર તેમના અંગોનું દાન કરવા સહમત થતા છ જણાને નવજીવન મળ્યું શક્ય બન્યું હતું.

મોઈનુદીનના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ફક્ત ૧૦થી ૧૫ ટકા હતી

ડોનેટ હાર્ટિંગના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની આઈકેઆરડીસીના તબીબોએ સ્વીકાર્યું છે. જ્યારે આંખોનું દાન લોકદ્રષ્ટી સલુબેંડના ડો. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું છે. હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવર મોઈનુદીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. હાર્ટની બીમારીથી પીડાતા મોઈનુદીનને ન્યાસ લેવામાં તકલીફ હતી. તેના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ૧૦થી ૧૫ ટકા જેટલી હતી. છેલ્લા એક મહિનાથી હોસ્પિટલમાં તેનું ફ્લોઅપ ચાલી રહ્યું હતું. છેલ્લા બે દિવસથી મોઈનુદીન હોસ્પિટલમાં દાખલ હતો. સુસ્ત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધીમાં બેઈનડેડ વ્યક્તિના પરિવારને સમજણ આપી પરંતુ લોકોને નવજીવન અને નવી રોશની આપવામાં આવી છે.